दीपावली पर पटाखा कारोबारियों का निकला दिवाला

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों की बिक्री पर लगाया प्रतिबंध

भुवन शुक्ला, दिल्ली

पर्यावरण संरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली से पहले दिल्ली एनसीआर में पटाखों के बिक्री पर रोक लगा दी है। इस आदेश के बाद से पुरानी दिल्ली के पटाखा कारोबारियों में निराशा छाई हुई है। कलतक जामा मस्जिद के पाईवालान बाजार में पटाखे की बंद थोक दुकानें कभी दिन भर ग्राहकों से गुलजार रहती थी। दीपावली पर रोशनी के रंग भरने वाले इस 184 साल पुराने बाजार का भविष्य सुप्रीमकोर्ट के फैसले के बाद खतरे में है।

पटाखा व्यापारियों के मुताबिक दीपावली में हरसाल पाईवालान बाजार में करीब सौ करोड़ रुपये के पटाखों का कारोबार होता है। पटाखों की बिक्री पर रोक लगने के बाद अब करीब सौ करोड़ के फुटकर पटाखा

पाईवालन बाजार की पटाखे की दुकान

कारोबार का नुकसान हो गया है। थोक पटाखा कारोबारी अनुभव श्रीवास्तव ने बताया कि पाईवालान में थोक पटाखा बिक्री की कुल 9 दुकानें है। जिनमें से कई100 वर्ष से अधिक पुरानी है। पटाखों की बिक्री ज्यादातर दीपावली के मौके पर ही होती है। अब त्यौहार से ठीक पहले उच्चतम न्यायलय के प्रतिबंध ने व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि पाईवालान बाजार में मुख्य रूप से तमिलनाडु के शिवकाशी से पटाखा आता है। जिसकी बुकिंग मार्च व अप्रैल माह में ही हो जाती है और वहां से दीपावली के एक माह पहले तक माल एनसीआर में स्थित गोदामों से होते हुए इस थोक बाजार में आ जाता है।

उन्होने बताया कि पटाखा व्यापारियों ने

- **जामा मस्जिद के पटाखा बाज़ार में सन्नाटा**
- **पटाखा व्यापारियों के लाखो रुपये फसे**

लाखों का माल पहले ही खरीद लिया था। अगर हम इन पटाखों को बाहर बेचने जाते है तो किराये में ही बहुत रूपया खर्च होगा और दूसरे शहर के कारोबारी हमारी गरज समझ कर औने-पौने में माल खरीदेंगे। कोर्ट के आदेश से तो कारोबारी सड़क पर आ गए हैं। इससे हमारा काफी नुकसान होगा। यही फैसला अगर पिछली सुनवाई में आ गया होता तो कारोबारी माल नहीं खरीदते। अब सभी कारोबारी मिलकर कोर्ट में अपील दायर करेंगे और दीपावली तक पटाखे बेचने की अनुमति मांगेंगे।

स्थाई समाधान के लिए हफ्तेभर कटेगी बिजली

भैरों सिंह, नोएडा

शहर में बिजली समस्या के स्थाई समाधान के लिए बिजली विभाग ने सप्ताह भर बिजली कटौती की घोषणा की है। इस बीच सब स्टेशनो पर मरम्मत का काम जोरो से चल रहा है ताकि दिवाली पर लोगो को बेहतर आपूर्ति मिल सके। घोषित कटौती सुबह 10 बजे से साढ़े 11 बजे तक रहेगी।

दिवाली पर बिजली का लोड़ बढ़ जाता है। इससे स्थानीय फाल्ट होने की सम्भावना बनी रहती है। इसी के मद्देनज़र सब स्टेशनो पर मरम्मत कार्य किए जा रहा है। ताकि किसी तरह के फाल्ट से बचा जा सके और दिवाली पर लोगो को बेहतर आपूर्ति मिल सके।

- **दो घंटे का होगा शटडाउन**
- **रविवार तक चलेगा काम**

बिजली विभाग द्वारा छह से अधिक फीडरो पर मरम्मत कार्य किया जा रहा है। मरम्मत कार्य रविवार तक चलेगा। इससे पांच से अधिक सेक्टरो की सप्लाई बाधित रहेगी।

विधुत निगम अभियंता प्रिंस कुमार गौतम का कहना है कि बिजली उपभोक्ताओ को बेहतर आपूर्ति के लिए फीडर और सब स्टेशनो का का मरम्मत कार्य किया जा रहा है।

दिल्ली एनसीआर में खुले आम बिक रहा तेज़ाब

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से बेपरवाह

भुवन शुक्ला , दिल्ली

देश भर में एसिड अटैक के बाद सुप्रीम कोर्ट ने कड़े नियम बनाये और खुले आम तेज़ाब की बिक्री पर पतिबं्ध भी लगाया था। इसके बावजूद दिल्ली में सुप्रीम कोर्ट आदेशों की खुले आम धज्जियां उड़ाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के दिशानिर्देशों के अनुसार 18 वर्ष से कम ऊम्र के व्यक्तियों पर पाबंदी लगे तथा दुकानदार के लिए बेचे गए तेज़ाब की माल्रा और ख़रीद के पते का रिकांड रखना जरुरी हो दुकनदार को बेचे गए तेज़ाब की माल्रा के बारे बतना जरुरी है।

पर कोई भी दुकानदार इन सुप्रीम कोर्ट के इन दिशा निर्देशों का पालन नही करता है। बल्कि सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन्स के बिल्कुल उलट काम हो रहा है। यहाँ पर 18 साल से कम उम्र के व्यक्तियों को भी तेज़ाब दे दिया जाता है। देश की राजधानी दिल्ली में ही काफी जगहों पर खुले आम तेज़ाब को बेचा जा रहा है जिनमे से

साइकिल पर तेजाब बेचता युवक

- **20 रूपये में मिल रही बोतल**
- **साईकिलों से हो रही बिक्री**

अक्षरधाम का गणेश नगर उनमे से एक है। जहाँ पर जिनके पास तेज़ाब बेचने का लाइसेंस भी नहीं वो भी साइकलों पर रख कर गली-गली घूम कर खुलेआम 20-30 रूपये में टॉयलेट तेज़ाब की बोतलों को बेचा जा रहा है। पर उनसे कुछ आधिक रूपये देते है तो वो आधिक तेज तेज़ाब दे देते है जो किसी को नुकसान पहुचाने के लिए काफी है। वहां के कुछ दुकानदार भी चोरी छुपे तेज़ाब की बोतलों को बेच रहे है जिसकी तरफ पुलिस का कोई ध्यान ही नहीं है।

जिम्सी ब्लैक बक ने दी फ्रेशर पार्टी

जिम्सी संवाददाता, नोएडा

8 अक्टूबर को ब्लैक बक की टीम ने न्यू अशोक नगर स्थित महाराजा अग्रसेन सदन में जिम्सी के नए छात्रों के लिए फ्रेशेर पार्टी का आयोजन किया । ब्लैक बैग ब्रांड का निर्माण जिम्सी के बीजेएमसी एपीआर के छात्र कृतांक चौधरी के द्वारा किया गया है| इसी बैनर तले रविवार को मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर का ताज दिया गया।

पार्टी की शुरुआत छात्रों द्वारा रैंप वाक से हुई. इसके बाद सीनियर्स ने रैंप वाक कर तालियां बटोरी. एमजेएमसी की छात्रा सृष्टि ठाकुर और बीजेएमसी द्वितीय वर्ष की छात्रा सिमरन, प्रिया और अर्णिमा के डांस ने महफ़िल में चार चाँद लगाए । मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर का चुनाव रैंप वाक, डांस और कई टास्क करने के बाद हुआ।

- **अनुभा मिस और अक्षय मि. फ्रेशर**
- **रैंप वाक और डांस से लगे चार चाँद**

इस प्रक्रिया में सारे प्रतिभागियों को पीछे छोड़ते हुए बीजेएमसी प्रथम के अक्षय वर्मा मि० फ्रेशर और बीजेएमसी प्रथम की अनुभा पाण्डेय मिस फ्रेशर बनी| इसके अलावा कुछ टाइटल भी दिए गये जिसमे मि० कूल बीजेएमसी के अभिषेक और मिस कूल डिप्लोमा की दिब्या बनी. वही मि० ड्रामेबाज एमजेएमसी प्रथम के श्रेय और बीजेएमसी की शुभांगी चतुर्वेदी मिस ड्रामेबाज बनी| साथ ही जितने भी छात्र – छात्राए इस पार्टी का हिस्सा बने उन्हें एक ब्लैक बैग की डायरी तोहफे के रूप में दी गयी।

जेपी इंटरनेशनल स्कूल में अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोह शुरू

जिम्सी संवाददाता, ग्रेनों

सोमवार को ग्रेटर नोएडा के सेक्टर ओमेगा-1 स्थित जेपी इंटरनेशनल स्कूल में वार्षिक अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि यूपी फिल्म डेवेलपमेंट काउंसिल के उपाध्यक्ष सौरभ द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर महात्मा गांधी के जीवन पर बनी फ़िल्म गांधी दिखाई गई।

स्कूल की प्रिन्सिपल हेमा शर्मा ने कहा कि है कि सिनेमा केवल संचार का ही माध्यम नहीं है बल्कि यह हमारे समाज का आईना है । सिनेमा हमेसा लोगों में जागरूकता फैलाने का काम करती है। हमे गर्व है कि वार्षिक अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म समारोह के लिए हमारे स्कूल को चूना गया और इस वजह से स्कूल के सभी विघार्थियो को बेहतर फिल्में देखने का मौका मिला है। फिल्म समारोह 9 अक्टूबरसे लेकर14अक्टूबर तक चलेगा।

बूढ़े - बेसहारा लोगों की सहारा बनी ज्योति सक्सेना

भुवन शुक्ला, नोएडा

हर माँ-बाप अपने बच्चों को बड़े प्यार से पालपोस कर बड़ा करता है। उन्हें पढ़ा-लिखा कर इस उम्मीद में उनका भविष्य संवारते है कि बुढ़ापे में वह उनका सहारा बनेंगे। ये बच्चें बड़े होकर जब अपने पैरों पर खड़े हो जाते है तो बड़े-बूढे उनको बोझ लगने लगते है। युवा बेटे अपने बुज़ुर्ग माँ-बाप को घर से निकाल देते हैं। बुढ़ापे में बेसहारा लोगों का सहारा बनकर चट्टान की तरह ज्योति सक्सेना खड़ी हैं। ज्योति पिछले 26 सालों से बेसहारा वृद्ध-वृद्धाओ लिए लगातार काम कर रहीं हैं।

सेक्टर-39 में रहने वाली ज्योति ने बताया कि सेक्टर-30 स्थित जिला अस्पताल में करीब 26 साल पहले उन्होंने बुज़ुर्गों की मदद करना शुरू किया था। इससे पहले वह स्कूल में पढ़ाती थीं

बुजुर्ग महिलाओं के साथ ज्योति

लेकिन उनका मन नहीं लगा और उन्होंने पढाना बंद कर दिया। वह बुज़ुर्गो के लिए कुछ करना चाहती थी और तब उन्होंने जिला अस्पताल में तीन घंटे का समय देकर बुज़ुर्गो को बिना लाइन के डॉक्टर के पास ले जाकर, उन्हें आसानी से दवा दिलवाकर, ईलाज में उनकी आर्थिक तौर से सहायता करके इन लोगों की मदद करती थी ।

इसके बाद ज्योति ने दूरदराज के क्षेत्रों में आखों का ऑपरेशन कराने के लिए सरकारी और गैरसरकारी अस्पतालों की मदद से नि:शुल्क शिविर लगवाना शुरू किया। पिछले 26 साल में वह

- **चार हजार बुज़ुर्गों की आँखों का करा चुकी हैं ओपरेशन**
- **छब्बीस सालों से कर रही हैं काम**

करीब चार हजार से ज्यादा बुज़ुर्गो की मोतियाबिंद का कैम्प लगवाकर ऑपरेशन करा चुकी हैं। जिनके पास रहने खाने के लिए कुछ भी नहीं है जो बेसहरा है उन बुज़ुर्गो को अपने घर पर रख कर वह उनकी सेवा करती है। वे हर साल 2अक्टूबर को सेक्टर-26 के क्लब में बुज़ुर्गो के लिए एक कार्यक्रम करवाती हैं जिसमें बुज़ुर्गो का सम्मान किया जाता है। उनका कहना है कि समाज के सभी लोगो को बुज़ुर्गो का आदर और सेवा करनी चाहिए ।

पुलिसया उगाही का अड्डा बना उद्योग मार्ग

जिम्सी संवाददाता,नोएडा

जिला प्रशासन ने यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए पिछले वर्ष उद्योग मार्ग को एकल दिशा मार्ग घोषित किया था। इस फैसले से यातायात व्यवस्था तो नहीं सुधरा लेकिन पुलिस को लोगों से रुपया वसूलने में मददगार जरुर साबित हुआ। पुलिस इस मार्ग से जाने वाले लोगों से रूपये वसूलती है। तकरीबन 3 किलोमीटर लम्बा यह रास्ता सेक्टर 15 मेट्रो स्टेशन को दिल्ली नोएडा बॉर्डर से जोड़ता है। यह रास्ता एकल मार्ग में तब्दील किया गया था लेकिन इससे अंजान लोग इस रास्ते से आ जाते हैं तो उनसे मनमाना शुल्क वसूला जाता है। इसको रोकने के लिए सड़क के सभी प्रवेश वाली जगहों पर सूचना बोर्ड लगाना चाहिए था जो अब तक नहीं लग पाये हैं। नतीजतन पुलिस की चांदी हो गयी है।

पुलिस वालों की मनमानी से परेशान लोगों का कहना है कि थोड़ी दूरी के लिए उन्हें काफी घूम कर जाना पड़ता है। जिससे उन्हें अपनी मंजिल

- **एकल मार्ग किया गया घोषित**
- **मनमाना वसूला जाता है जुर्माना**

तक पहुंचने में देरी होती है और यही हाल अब ई-रिक्शा वालों का है। शुरुआत में ई-रिक्शा चालको को यहाँ से जाने की अनुमति थी। मौजूदा स्थिति यह है कि अगर कोई रिक्शा चालक एकल दिशा मार्ग पर पकड़ा जाता है या तो उसका रिक्शा जब्त कर लिया जाता है या उसे 10000 रुपये तक का जुर्माना लिया जाता है।

ट्रैफिक पुलिस रामप्रकाश यादव का कहना है कि पिछले तीन साल से यह एकल दिशा मार्ग है। इस मार्ग पर नो एंट्री में घुसने वाले वाहनों का चालान काटा जाता है या उन्हें जुर्माना लेकर उसे छोड़ दिया जाता है।

हीन नजरों से देखते हैं लोग...

...तो आखिर कौन समझेगा समाज में किन्नरों का दर्द

सद्दाम करीमी , नई दिल्ली

किन्नर देखते ही आज भी हँसी आ जाती है। आपकी हंसी उन्हें अपमानित करती है. जब कि हर किन्नर हंसी का नहीं बल्कि सहानुभूति का पात्र है जिम्सी न्यूज़ ने किन्नर समाज के गुरु पूनम प्रधान से बात कर किन्नर समाज का जायजा लेने की कोशिश की है। पेश है एक रिपोर्ट

किन्नर इसी समाज का हिस्सा है। इनकी अपनी एक दुनिया है जिसका अपना एक दर्द है। सरकार की तमाम कोशिशों के बावजूद किन्नर समाज देश की मुख्य धारा से कटा हुआ है। इनका दर्द इनकी समस्याएं आम आदमी की समस्याओ से जुदा है। इनका मानना है कि समाज में उन्हें सम्मान की नजरो से नहीं देखा जाता। देश का नागरिक होने के नाते जो अधिकार उनको मिले है वह भी उनको नहीं मिलते है। देश

में न तो हमारा दर्द कोई समझता है न ही समस्याए ही जानने की कोशिश करता है। हर आदमी तिरस्कार की नजरो से देखता है। बलजीत नगर की रहने वाली किन्नर गुरु प्रधान कहती है कि हमारे समाज में सभी धर्म के लोग रहते है। हर धर्म के त्योहार को एहमियत देता हूँ। एक साथ मिलकर सब त्यौहार मनाता भी हूँ. मेरे लिए कोई पर्व बड़ा या छोटा नही है । पूनम का कहना है कि समाज बहुत जालिम है। लोग हमें हीन नजरों से

- **बुनियादी अधिकारों से भी वंचित**
- **मतदान करने का भी नहीं है अधिकार**

देखते है। समाज हमारे दर्द को नही समझता। भले ही भारत को अनेकता में एकता वाला देश कहा जाता है लेकिन अलग धर्मों,जातियों के बीच रहने वाले किन्नर को समाज में सम्मान प्राप्त नहीं है। उन्होंने बताया कि किन्नर समाज के अपने कायदे कानून होते है जिनका पालन पूरा किन्नर समाज करता है। कि यदि कोई किन्नर सुबह नौ बजे बजे पहले और शाम के 4 बजे के बाद बधाई मागता है तो वो चोर किन्नर है. उसका बधाई पर कोई हक नहीं है। इलाके वाले किन्नर 9 बजे से शाम 4 बजे तक ही इलाके में बधाई के लिए जाते है। प्रेम नगर से बधाई लेने वाली रानी किन्नर बताती हैं। कि हमलोग हर साल 40 से 50 शादी करवाते है। उनमे कन्याधन के रूप में फ्रिज,कूलर,आटा-दाल आदि देते है। हमलोग समाज के लोग से ही लेते है। लोगों से बधाई लेना ही हमारी कमाई का मुख्य जरिया है। लेकिन सरकार ने अब हमलोगों को अन्य वर्गों में रखा है,चुनाव का अधिकार प्रदान नहीं किया है और अब हमारे राशन कार्ड नहीं बने है। और किन्नरों में शिक्षा का स्तर न के बराबर है गौरी किन्नर ने बताया कि मुश्किल से दस प्रतिशत किन्नर पढा होता है। उसने बताया कि एक किन्नर बच्चे को दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ने को भेजा था लेकिन वहा पर कुछ ऐसा माहौल बना कि उसे बीच में ही शिक्षा छोड़नी पड़ी। सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह किन्नर बच्चो की शिक्षा,स्वास्थ्य और निवास आदि की व्यवस्था करे। समाज में इन्हें भी पूरा सम्मान मिले।

प्राथमिक विद्यालय में छात्रों को पढ़ाया गया सफाईगीरी का पाठ

सद्दाम करीमी, दक्षिणी दिल्ली

जल विहार स्थित दक्षिणी दिल्ली नगर निगम सह शिक्षा प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया। दैनिक जागरण की ओर से स्वच्छता के लिए चलाए जा रहे 'मिशन 1000 टन' के तहत सेंट्रल जोन के उपनिदेशक (शिक्षा) कंवलजीत सिंह व स्कूल इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने प्रिंसिपल इंदू बत्रा के साथ मिलकर स्कूल की सफाई की। मैदान व बरामदे की सफाई करने के बाद डीडीई कंवलजीत सिंह ने सभी स्टाफ, बच्चों व अभिभावकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। सफाई के प्रति जागरूक करने वाले इस खास और महत्वपूर्ण स्वच्छता अभियान में शिक्षिका सविता दहिया, अर्चना, प्रियंका, नीरू, मंजू, प्रीति, अनीता सैनी, काउंसिलिंग साइकोलॉजिस्ट कहकशां रहमान समेत स्कूल का पूरा स्टाफ शामिल हुआ।इस तरह के स्वच्छता के कार्यक्रम लगातार अन्तराल पर आयोजित होते रहते हैं

संपादक - रोहिताश चौधरी , सह - संपादक एंव पृष्ठ सज्जा - तनिष्क सिंह तोमर , संवाददाता मंडली - केतन चौहान , गौरव राय ,अमानुल्लाह, सद्दाम करीमी, अभिषेक भारद्वाज, भुवन कुमार शुक्ला, भैरों सिंह मेंटर - सिन्धु झा, राजीव सिंह